भारत का विकास कैसे हो? उसकी संस्कृति ज़्या है? देश की संस्कृति एक-दो दिन में नहीं बदलती। भारत प्राचीनकाल से अखंड जीवन वाला देश है। भारत ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव और परिस्थितियों को देखा है। भारत की कहानी एकदम अलग है। ना असुरक्षा का भाव है और ना स्वार्थ का। भारत में समृद्धि के लिए संघर्ष का रास्ता नहीं अपनाया जाता। जो सीमा तय की गई है, सभी उसी दायरे में रहते हैं। किसी दूसरे देश के व्यज़्ति के आने की संभावना नहीं है, लेकिन यदि भटकता हुआ आ भी गया तो उसे भी साथ ले लेते हैं। उसे कहा जाता है कि तुम भी नई विविधता लेकर हमारे यहां बस जाओ। हम पृथ्वी को गाय के समान मानते हैं। वह पृथ्वी जो कई धर्म को मानने वाले, कई भाषाओं को बोलने वालों को धारण करती है। पहली बार अनुभव किया गया कि बाहर से कोई सुख नहीं मिलता। भौतिक सुविधाओं से सुख नहीं मिलता। प्रकृति का दोहन करके सुख तलाशा जाता है।

एक कथा बहुत प्रचलित है। वैभव के शिखर पर पहुंचने के बाद